



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, सोमवार, 21 मार्च, 2005/30 फाल्गुन, 1926

हिमाचल प्रदेश सरकार

कार्यालय उपायुक्त कुल्लू, जिला कुल्लू (हि० प्र०)

कार्यालय आदेश

कुल्लू 3 मार्च, 2005.

संख्या पी० सी० एच० (कु) जी० पी० लोट/2000-396-400.—ग्राम पंचायत लोट, विकास खण्ड निरमण्ड के प्रधान श्री तारा चन्द के विरुद्ध गांव पानवी, डाबर व ध्वांश के निवासियों द्वारा प्रेषित एक शिकायत पत्र महा निदेशक (सतर्कता); शिमला के माध्यम से निदेशक, पंचायती राज विभाग, हिमाचल प्रदेश को प्राप्त हुआ है। शिकायत पत्र में छह: उद्धृत आरोपों की जांच उप-नियन्त्रक, पंचायती राज विभाग द्वारा 14 दिसम्बर, 2003 को पंचायत मुख्यालय, लोट में की गई तथा सम्बन्धित विकास कार्यों का भी स्थलीय निरीक्षण किया गया जिन पर आधारित आरोपों का उल्लेख शिकायत पत्र में किया गया है। उक्त जांच के निष्कर्ष पर आधारित जांच रिपोर्ट में आरोपों की पुष्टि हुई है जिसका सविस्तार विवरण संलग्न आरोप पत्र में क्रमवार किया गया है।

ग्राम पंचायत लोट को गुरु रविदास योजना के अन्तर्गत गांव पानवी वाया ध्वांश रास्ते को पक्का करने हेतु रु० 3,00,000/- (तीन लाख) रुपये की राशि खण्ड विकास अधिकारी, निरमण्ड द्वारा स्वीकृत की गई है जिसमें से 2,94,000/- रुपये ग्राम पंचायत को प्राप्त हो चुके हैं। उक्त निर्माण कार्य के प्राक्कलन अनुसार 1550 मी० पक्के रास्ते का निर्माण किया जाना था। विकास खण्ड में कार्यरत कनिष्ठ अभियन्ता द्वारा ग्राम पंचायत कोट द्वारा निष्पादित उपरोक्त कार्य का मुल्यांकन करते हुए मापन पुस्तिका

अनुसार 400 मी० रास्ते की सोलिंग व 880 मी० रास्ते को ही पूर्ण रूपेण पूर्ण हुआ बताया गया है। जांच अधिकारी द्वारा कनिष्ठ अभियन्ता द्वारा किए गए मूल्यांकन से असहमति व्यक्त करत हुए किसी उच्च तकनीकी अधिकारी से उक्त निर्माण कार्य का पुनः मूल्यांकन करने का अनुरोध इस आधार पर किया गया कि ग्राम पंचायत द्वारा उक्त निर्माण कार्य में प्रयोग में लाई गई निर्माण सामग्री से सम्बन्धित व्यय रसीदों को जांच से ग्राम पंचायत द्वारा प्रयोग में लाई गई निर्माण सामग्री व कनिष्ठ अभियन्ता द्वारा मूल्यांकित निर्माण सामग्री की खपत व प्राक्कलन अनुसार जितनी निर्माण सामग्री का प्रयोग होना था, में भारी भिन्नता है जो कि निर्माण कार्य की गुणवत्ता/स्तर व इस निर्माण कार्य पर व्यय राशि के सदुपयोग को संदिग्ध बनाता है। इस सम्बन्ध में जांच रिपोर्ट में उद्धृत आरोपों के दृष्टिगत प्रधान, ग्राम पंचायत लोट, विकास खण्ड निरमण्ड को इस कार्यालय द्वारा जारी पत्र क्रमांक 1027-30 दिनांक 3 जून, 2004 के अन्तर्गत कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। अपने स्पष्टीकरण दिनांक 21-6-2004 के अन्तर्गत उक्त आरोपित पंचायत पदाधिकारी द्वारा जहाँ अपने विरुद्ध आरोपों का खण्डन किया, वहीं यह भी अनुरोध किया कि उक्त निर्माण कार्य का पुनर्निरीक्षण/मूल्यांकन किसी निष्पक्ष अधिकारी से करवा कर उन्हें न्याय प्रदान किया जाये। जांच अधिकारी के उपरोक्त सूझाव व आरोपित पंचायत पदाधिकारी के उक्त अनुरोध को दृष्टिगत रखते हुए अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण विकास विभाग, शिमला के माध्यम से सहायक अभियन्ता, ग्रामीण विकास विभाग स्थित आनी से पुनर्मूल्यांकन करवाया गया। सहायक अभियन्ता द्वारा उक्त निर्माण कार्य के स्थलीय निरीक्षण के आधार पर किए गए पुनः मूल्यांकन पर आधारित रिपोर्ट 1-1-2005 को अधोहस्ताक्षरी को प्राप्त हुई है।

सहायक अभियन्ता ग्रामीण विकास विभाग द्वारा उक्त कार्य से सम्बन्धी पुनः मूल्यांकन रिपोर्ट के अनुसार ग्राम पंचायत लोट द्वारा निर्मित रास्ता गांव पानवी, डाबर वाया ड्वांश का निर्माण कुल 1070.55 मीटर हुआ है जबकि प्राक्कलन अनुसार इस रास्ते को 1550 मीटर तक पक्का किया जाना था। पंचायत द्वारा निष्पादित उक्त निर्माण कार्य का मूल्यांकन मु० 251526/- रु० किया गया है जबकि पंचायत अभिलेख अनुसार इस कार्य हेतु मु० 294000/- रु० अनुदान राशि प्राप्त हुई जिसे पूर्ण रूप से व्यय दर्शाया गया है। इस प्रकार कार्य के मूल्यांकन व पंचायत द्वारा निर्माण कार्य पर व्यय राशि में मु० 42474/- रु० का अन्तर है। उक्त निर्माण कार्य का क्रियान्वयन क्योंकि प्रधान, ग्राम पंचायत लोट की देख-रेख में हुआ है तथा इस निर्माण कार्य की निर्माण सामग्री प्रधान ग्राम पंचायत द्वारा क्रय की गई है। इस लिए मु० 42474/- रुपये की राशि का व्यय जो मूल्यांकन से अधिक ग्राम पंचायत द्वारा किया, दर्शाया गया है उसका उत्तरदायित्व पूर्णतः प्रधान ग्राम पंचायत लोट पर है। यह मु० 42474/- रु० की राजकीय राशि के छलहरण का गम्भीर एवं स्पष्ट मामला है जिसे संलग्न आरोप पत्र में उद्धृत आरोपों के क्रमांक 5 पर भी उद्धृत किया गया है।

जांच अधिकारी द्वारा की गई जांच के निष्कर्ष व सहायक अभियन्ता ग्रामीण विकास विभाग स्थित आनी द्वारा प्रस्तुत पुनर्मूल्यांकन रिपोर्ट के उपरोक्त व्यक्त तथ्यों के दृष्टिगत तथा इस सम्भावना को दृष्टिगत रखते हुए कि आरोपित उक्त पंचायत पदाधिकारी अपने पद का दुरुपयोग करते हुए पंचायत द्वारा संधारित अभिलेख में अपने हित में फेरबदल कर सकता है, अपने विरुद्ध प्रमाणों को नष्ट कर सकता है तथा निर्दिष्ट जांच से पूर्व अपने विरुद्ध साक्ष्यों को प्रभावित कर सकता है, अतः मैं आर० डी० नजीम, उपायुक्त जिला कुल्लू, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम 1944 की धारा 145 तथा हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (समाप्य) नियम 1997 के नियम 142 (1) के अन्तर्गत प्राप्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री तारा चन्द, प्रधान ग्राम पंचायत, लोट, विकास खण्ड निरमण्ड, जिला कुल्लू को तत्काल प्रभाव से प्रधान पद से निलम्बित करता हूँ तथा यह निर्देश देता हूँ कि ग्राम पंचायत लोट की कोई चल सम्पत्ति अथवा अभिलेख जो यदि उनके अधिकार में हो तो तुरन्त पंचायत सचिव, ग्राम पंचायत लोट को सौंप दें। उन्हें यह भी निर्देश दिया जाता है कि वे संलग्न आरोपों के सम्बन्ध में तथ्यों पर आधारित अपना स्पष्टीकरण इस आदेश की प्राप्ति के 15 दिन के भीतर अधोहस्ताक्षरी को लिखित रूप में प्रस्तुत करें।

आरोप-पत्र

1. यह कि जांच अक्षर पर पंचायत अभिलेख की जांच करने पर पाया गया कि उक्त निर्माण कार्य हेतु पंचायत द्वारा 296 बैग सीमेंट क्रय किया है जबकि सीमेंट क्रय स्थल से पंचायत मुख्यालय व निर्माण स्थल तक सीमेंट की ढुलाई केवल 281 बैग सीमेंट ही दर्शाया गया है। अर्थात् पंचायत व्यय रसीद संख्या 39 के अन्तर्गत जो मु० 2850/- रुपये से 15 बैग सीमेंट क्रय किया दर्शाया गया है, वास्तव में क्रय ही नहीं किया गया है। यदि इन 15 बैग सीमेंट का क्रय किया गया होता तो इसके ढुलान पर व्यय होना स्वाभाविक था। इस प्रकार उक्त 15 बैग सीमेंट की खरीद की ही नहीं गई अथवा यह क्रय करने के उपरान्त निर्माण स्थल तक लाया ही नहीं गया है। दोनों स्थिति में प्रधान ग्राम पंचायत मु० 2850/- रुपये की पंचायत राशि के छलहरण के दोषी हैं।

2. यह कि रास्ता पानवी से डाबर वाया धवांश के निर्माण हेतु 10 ट्रक रेत क्रय किया दर्शाया गया है इन में से पंचायत व्यय रसीद संख्या 41 के अन्तर्गत अदायगी वाबत क्रय रेत 3 ट्रक मु० 7500/- रुपये दर्शाई गई है परन्तु 3 ट्रक रेत का डलवान सड़क (रोड हैड) से कार्यालय तक का पंचायत अभिलेख में कोई उल्लेख नहीं है जिससे स्पष्ट होता है कि यह 3 ट्रक रेत क्रय ही नहीं किया गया है। इस प्रकार यह प्रधान ग्राम पंचायत द्वारा मु० 7500/- रुपये के छलहरण का मामला है।

3 यह कि उक्त जांचाधीन निर्माण कार्य हेतु विकास खण्ड कार्यालय से 12420/- रुपये का खाद्यान्न (चावल) पंचायत को मजदूरों/कामगारों में वितरण हेतु प्राप्त हुआ परन्तु ग्राम पंचायत के खाद्यन्न स्टॉक रजिस्टर में इस का कोई उल्लेख नहीं है और न ही खाद्यान्न प्राप्ति की प्रविष्टि पंचायत के रोकड़ में की गई है इस प्रकार मु० 12420/- रुपये के खाद्यान्न के समतुल्य राशि का छलहरण किया गया है।

4. यह कि कनिष्ठ अभियन्ता द्वारा ऊपर वर्णित निर्माण कार्य की मूल्यांकन रिपोर्ट में 764 बैग रेत का ढुलान मु० 19100/- रुपये दर्शाया गया है जबकि ग्राम पंचायत के लेखा अभिलेख के अनुसार इसी निर्माण कार्य के लिए खरीद 1064 बैग रेत की ढुलाई हेतु 26539/- रुपये व्यय दर्शाया गया है। इस प्रकार कनिष्ठ अभियन्ता द्वारा किए गए मूल्यांकन को आधार मानें तो मु० 7439/- रुपये रेत के ढुलवान के अधिक व्यय के रूप में दर्शाए गए हैं इसके अतिरिक्त 300 बैग रेत क्रय पर मु० 5000/- रुपये अधिक दर्शाया गया है। यह पुनः मु० 12439/- रुपये पंचायत राशि के छलहरण का मामला स्पष्ट होता है जिसके लिए प्रधान ग्राम पंचायत पूर्ण रूप से उत्तरदायी है।

5. यह कि सहायक अभियन्ता, ग्रामीण विकास विभाग, कार्यालय स्थित आनी द्वारा उपर वर्णित कार्य की मूल्यांकन रिपोर्ट के अनुसार कुल 33.96 घन मीटर रेत की खपत हुई है जिसका मूल्य 14942 रु० बनता है परन्तु ग्राम पंचायत के लेखा अभिलेख के अनुसार इसी निर्माण कार्य के लिए क्रय 1064 बैग रेत हेतु 20900 रुपये व्यय दर्शाया गया है। इस प्रकार सहायक अभियन्ता, ग्रामीण विकास विभाग द्वारा किये गये मूल्यांकन को आधार माने तो मु० 5958/- रुपये रेत के क्रय पर अधिक व्यय के रूप में दर्शाया गया है। यह पुनः 5958/- रुपये राजकीय राशि के छलहरण का मामला स्पष्ट होता है जिसके लिए प्रधान ग्राम पंचायत पूर्ण रूप से उत्तरदायी है।

6. निर्माण पक्का रास्ता पानवी से डाबर वाया धवांश हेतु बनाये गये प्राक्कलन अनुसार 1550 मीटर रास्ते को पक्का किया जाना था परन्तु प्रधान ग्राम पंचायत लोट द्वारा केवल 1070.55 मीटर रास्ते का निर्माण किया गया है, जबकि उक्त निर्माण कार्य हेतु स्वीकृत मु० 3,00,000/- (तीन लाख) रुपये में से ग्राम पंचायत लौट को प्राप्त मु० 2,94,000/- रुपये पूर्ण रूप से व्यय दर्शाए गए हैं। जांच अवसर पर जांच अधिकारी द्वारा विकास खण्ड निरमण्ड में कार्यरत कनिष्ठ अभियन्ता तथा पंचायत में कार्यरत तकनीकी सहायक से करवाई पैमाईस के अनुसार केवल 945 मीटर रास्ता ही पक्का किया गया है जबकि केवल 12 मीटर रास्ते पर ही सौलिंग की गई है। इस पक्के रास्ते का स्थलीय निरीक्षण करने पर भी निर्माण

कार्य असन्तोषजनक तथा घटिया स्तर का पाया गया है रास्ता अभी से टूट रहा है तथा बीच बीच में इससे कच्चा छोड़ा गया है। रास्ता जहां पक्का बनाया गया है उसकी चौड़ाई 0.70 मीटर है जबकि मूल्यांकन रिपोर्ट अनुसार चौड़ाई 0.90 मी० होनी चाहिए थी। यह भिन्नता निर्माण कार्य में हुई गम्भीर अनियमितताओं की ओर स्पष्ट संकेत करती है जिसका पूर्ण दायित्व प्रधान ग्राम पंचायत लोट पर है। महायक अभियन्ता द्वारा कार्य के मूल्यांकन के अनुसार मु० 251526/- रुपये का कार्य हुआ है, इस प्रकार ग्राम पंचायत द्वारा मु० 42474/- रुपये का व्यय अधिक दर्शाया गया है। उक्त अनियमित रूप से अधिक किये गये व्यय के लिए प्रधान ग्राम पंचायत लोट पूर्णतः उत्तरदायी है। यह मु० 42474/- रुपये की अनुदान राशि के छलहरण का स्पष्ट मामला है।

अतः एतद्द्वारा श्री तारा चन्द, प्रधान ग्राम पंचायत लोट, विकास खण्ड निरमण्ड जिला कुल्लू को यह निर्देश दिया जाता है कि वे इस आरोप पत्र में उद्धृत आरोपों पर (क्रम० सं० 1 से 6 तक) के सन्दर्भ में अपना पत्र लिखित रूप में अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में इस आदेश की प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर प्रस्तुत करें। नियत अवधि के भीतर अपना पक्ष प्रस्तुत करते हुए स्पष्टीकरण प्राप्त न होने की दशा में यह माना जाएगा कि उन्हें अपने पक्ष में कुछ नहीं कहना है। ऐसी स्थिति में हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम 1994 के प्रावधानों के अनुसरण में नियमानुसार आगामी कार्यवाही आरम्भ कर दी जाएगी।

आर० डी० नजीम,
सपायुक्त कुल्लू, जिला कुल्लू।